करौली के इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की जर्जर छत गिरी, बड़ा हादसा टला

गनीमत रही कि हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ, जिससे बड़ी जनहानि टल गई

करौली, (निसं)। करौली जिले के सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई। गनीमत रही की हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ जिससे बड़ी जनहानि टल गई। इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की छत गिरने की आवाज से विद्यालय परिसर के आसपास लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया।

विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। हैरानी की बात यह रही कि सूचना के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। विद्यालय भवन की खराब हालत को लेकर पहले भी कई बार विभाग को अवगत कराया जा चुका था, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक इंद्रेश तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही एसीबीईओ को मौके पर भेजा गया है। पीओ से फोन पर बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई है।

सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई।

- विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी
- स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराने मांग की

सभी स्कूलों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गिरा हुआ कमरा पहले से क्षतिग्रस्त था, इसलिए उसमें छात्रों को नहीं बैठाया जा रहा था।

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो चुकी है। इससे यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने मांग की है कि स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराई जाए। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जाए। इधर इनायती गांव के विद्यालय की छत गिरने के बाद जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने शनिवार को करसाई, राजौर, अतैवा एवं कैलादेवी क्षेत्र के विभिन्न राजकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसरों की स्थिति का जमीनी स्तर पर जायजा लेते हुए समस्त शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सक्सेना ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाललाल मीणा सहित समस्त शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के समस्त विद्यालय परिसरों की छतों की साफ-सफाई तत्काल प्रभाव से करवाई जाए।

180 कार्टन शराब पकड़ी, तीन गिरफ्तार

चावल के कट्टों के बीच छिपाकर हरियाणा से गुजरात भेजी जा रही थी अवैध शराब

बीकानेर, (निसं)। हरियाणा से राजस्थान होते हुए गुजरात भेजी जा रही अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को बीकानेर रेंज पुलिस और नापासर थाने की संयुक्त टीम ने जब्त कर लिया। मुखबिर की सूचना पर भारतमाला सड़क मार्ग पर एक ट्रक को रुकवाकर जांच की गई, जिसमें चावल के करीब 900 से 1000 कट्टों के बीच छिपाकर रखी गई 180 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी। वहीं पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई आईजी ऑफिस बीकानेर के सब इंस्पेक्टर देवीलाल और नापासर थाने के एएसआई जगदीश कुमार के नेतृत्व में की गई। ट्रक चालक कुलविंदर सिंह जट सिख, सह चालक गुरभान सिंह जट सिख, सर्वजीत सिंह, (तीनों पंजाब निवासी) को मौके पर गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब में विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब शामिल है, जिसे बड़ी चतुराई से चावल के कट्टों में छुपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने नापासर थाने में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी काफी समय से इस तरह की तस्करी में संलिप्त थे और चावल के कट्टों की आड़ में शराब की आपूर्ति की जा रही थी।

बीकानेर रेंज पुलिस की स्पेशल टीम की यह कार्रवाई प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस विभाग ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने और अपराधियों की सूचना देने की अपील की है। देवीलाल सारण सब इंस्पेक्टर आईजी ऑफिस, लक्ष्मण सिंह नापासर थानाधिकारी, जगदीश कुमार एएसआई नापासर, आईजी ऑफिस से हेड कॉन्स्टेबल विमलेश कुमार, कांस्टेबल आत्माराम, कॉन्स्टेबल बाबूलाल, कॉन्स्टेबल आरिफ हुसैन, कॉन्स्टेबल सीताराम सभी रेंज ऑफिस बीकानेर की टीम शामिल रहे।

झालावाड़ स्कूल हादसा : शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट सामने आई

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल पिपलोदी में छत गिरने के मामले में शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट चौंकाने वाली है। विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं।

शिक्षा विभाग की ओर से बनाए गए कमरे पूरी तरह सुरक्षित है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल में कार्यरत किसी शिक्षक ने भवन के किसी हिस्से के गिरने की संभावना कभी व्यक्त नहीं की गई। उधर, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट आज प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से जर्जर भवनों के बारे में रिपोर्ट मांग रहे हैं। मनोहर का थाना के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल के संस्थान प्रधान ने जीर्ण-शीर्ण या मरम्मत के लिए स्थानीय कार्यालय को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा था। कार्यरत शिक्षकों ने भी कभी भवन की असुरक्षा स्थिति की संभावना व्यक्त नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था। ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, जबकि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है। सवाल ये उठ रहा है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को हर महीने तय स्कूलों का निरीक्षण करना होता है। इसके लिए अधिकारियों को ऑनलाइन आदेश दिया जाता है। स्कूल का निरीक्षण होता है और उसकी रिपोर्ट निदेशालय तक आती है। इन अधिकारियों की रिपोर्ट में ये सब आया या नहीं पिछले सालों में क्या शिक्षा विभाग का कोई अधिकारी यहां निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। अगर गया है तो उसने जर्जर अवस्था की रिपोर्ट क्यों नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार अतिवृष्टि के कारण स्कूल भवन की पिछली दीवार की नींव में पानी भराव होने के कारण कमजोर हो गई। रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया कि पानी पिछले कितने दिनों से भरा हुआ था और टीचर्स ने इसे क्यों नहीं देखा सुबह 7.40 बजे राउप्रावि पिपलोदी में प्रार्थना सभा के लिए कक्षा छह व सात के स्टूडेंट्स को इसी कक्ष में एकत्र किया गया। इसी दौरान छत गिर गई। घटना के बाद भी शिक्षा विभाग पूरी तरह हरकत में रहा। प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग पर बात की। जर्जर स्कूलों के बारे में रिपोर्ट लेने के साथ ही मरम्मत करने के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

स्कूल हेड मास्टर को प्रस्ताव बनाकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को देना होता है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी इसे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भेजता है। जहां से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जो समग्र शिक्षा अभियान को ये प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जहां पर नियुक्ति जेईएन अपने जिले के स्कूल का निरीक्षण करता है। मरम्मत की जरूरत होती है तो मरम्मत की जाती है, अन्यथा उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाती है।

क्षेत्र के विधायक और सांसद अपने कोटे से राशि स्वीकृत कर सकते हैं। ये राशि जिला पारिषद के माध्यम से खर्च होती है। जिला पारिषद चाहे तो सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से या फिर किसी अन्य सरकारी एजेंसी से निर्माण या मरम्मत करवा सकती है। मुख्यमंत्री के विशेष कोटे से भी सरकारी स्कूलों में निर्माण और मरम्मत कार्य होते रहे हैं। इसके लिए संबंधित विधायक प्रयास करके बजट स्वीकृत करा सकता है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदेश के किसी भी स्कूल में मरम्मत और निर्माण कार्य होता है। इसके लिए विभाग में जेईएन, एईएन, एक्सईएन की पोस्ट है। इसके बाद भी कोई इंजीनियर अपने स्तर पर स्कूलों का निरीक्षण करके मरम्मत की स्थिति को नहीं देखता है। प्रस्ताव आने पर ही आगे काम किया जाता है।

- विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है, रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं
- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था, ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है

सड़क हादसे में नर्सिंग छात्र की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के बड़गांव थाना क्षेत्र में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तथा उसका चचेरा भाई घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय बडगांव थाना क्षेत्र बरोडिया नाका होटल भव्या के समीप ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार मेघवालों का मोहल्ला टेकण कूण थाना लसाड़िया सलूम्बर निवासी महेश कुमार (25) पुत्र सवाईलाल मेघवाल तथा उसका चचेरा भाई बाइक चालक नारायण पुत्र देवीलाल मेघवाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां महेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल उम्मेदसिंह झाला ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

महेश भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक कॉलेज से नर्सिंग कोर्स कर रहा था। वह अपने चचेरे भाई नारायण के साथ बाइक पर बैठ कर गोगुन्दा से उदयपुर की तरफ आ रहा था, जहां बीच रास्ते में हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

- हादसे में चचेरा भाई घायल हो गया

नर्सिंग केयर सेंटर से नशीली व प्रतिबंधित दवाईयां जब्त

नर्सिंग केयर सेंटर पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने छापा मारकर नशीली दवाईयां पकड़ी।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ एवं नशीली दवाओं के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत् सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की टीम ने मालपुरा बस स्टैंड, जिला टोंक स्थित एक नर्सिंग केयर सेंटर पर छापामार कार्रवाई करते हुए टीम ने तस्करी की गई प्रतिबंधित ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 गोलियाँ और प्रतिबंधित अल्प्राजोलम 5010 गोलियाँ बरामद की तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि मालपुरा बस स्टैंड पर एक नर्सिंग केयर सेंटर चलाने वाले व्यक्ति द्वारा अपने नर्सिंग केयर सेंटर से अवैध रूप से नशीली दवाओं का स्टॉक रखकर और आपूर्ति की जा रही है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम द्वारा उक्त नर्सिंग केयर सेंटर पर छापा मारा गया, टीम ने तलाशी के दौरान अवैध रूप से स्टॉक की गई नशीली दवाएं ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 टैबलेट और अल्प्राजोलम 5010 टैबलेट बरामद की। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, बरामद प्रतिबंधित नशीली दवाओं को जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

गंभीर नदी में नहाने गया युवक डूबा, नहीं लगा सुराग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के उच्चैन थाना इलाके में गंभीर नदी में नहाने गया एक 22 साल का युवक डूब गया। पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया है।

- पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया
- युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देखा, शोर मचाया तो मौके पर लोग इकट्ठे हुए

युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देख लिया था, जिसके बाद उसने शोर मचाया तो, मौके पर लोग इकट्ठे हो गये। उन्होंने युवक के परिजनों को घटना की सूचना दी। उच्चैन पुलिस ने बताया कि सेवला हेड से केवलादेव नेशनल पार्क के लिए गंभीर नदी के रास्ते से पानी छोड़ा जा रहा है। मंगल सिंह (22) निवासी बरकोली गंभीर नदी में नहाने के लिए गया था। नहाते समय वह अचानक गंभीर नदी में डूबने लगा। जब मंगल सिंह डूब रहा था तो, उसने खुद को बचाने के लिए आवाज लगाई। इस दौरान वहां से एक स्टूडेंट स्कूल जा रहा था। स्टूडेंट ने मंगल सिंह को डूबते हुए देखा तो उसने भी शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए।

तब तक मंगल पानी में डूब चुका था। लोगों ने बरकोली गांव में जाकर घटना के बारे में बताया, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर मंगल को सर्च करवाया। सर्च ऑपरेशन के बाद भी मंगल सिंह का कुछ पता नहीं लगा।

बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरु किया।

बीसलपुर बांध में डूबे युवक का शव मिला

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध में डूबे राजू जाट निवासी गांव जेठानी का शव शनिवार को एसडीआरएफ ने निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के अनुसार युवक गुरुवार शाम को अपने दोस्तों के साथ बांध पर आया था और नहाते समय डूब गया था। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार शाम और शुक्रवार को पूरे दिन युवक की तलाश की, अंधेरा होने के कारण सर्च अभियान रोकना पड़ा था, शनिवार सुबह फिर से तलाश शुरू की गई और शव मिल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक का शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर मिर्ची की झाड़ियों में फंसा हुआ था। तीन दिन में शव फूलकर ऊपर आ गया, जिसे एसडीआरएफ टीम ने बाहर निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानलेवा हमले के आरोपी तक सर्वेयर बनकर पहुंची पुलिस, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी तक पहुंचने के लिये मुखबीर की सूचना पर पुलिस टीम ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई और टीम ने फरार 10 हजार के इनामी आरोपी समीर को बनेठा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 19 मार्च 2024 को फरियादी शौकत अली ने न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैथून पुलिस को पर्चा बयान दिया था। फरियादी ने कहा था कि उसके पास उसके बेटे का फोन आया कि मस्जिद के पास कुछ लोगों ने उसको घेर रखा है और जब वह मौके पर पहुंचा तो शहजाद, उसके लड़के समीर, सलमान एवं शोयेब आदि ने मारपीट की व चाकू गण्डासी से जानलेवा हमला कर दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर दबिश दी गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में आरोपी सलमान, शोयेब, अयान एवं साबिर को गिरफ्तार कर लिया था पर आरोपी समीर वारदात के बाद से ही परिवार सहित फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर टीम ने जगह-जगह दबिश दी, पर आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरार आरोपी पर 10 हजार के ईनाम की घोषणा की गई एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के सुपरविजन में पुलिस अधीक्षक राजेश ढाका के नेतृत्व में कैथून थानाधिकारी संदीप शर्मा व साईबर सेल के सहायक उपनिरीक्षक भुपेन्द्र सिंह को शामिल कर टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम के सदस्यों ने तकनीकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना तंत्र पर टोंक, जयपुर व सवाईमाधोपुर में संभावित स्थानों पर दबिश दी।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबीर से फरार आरोपी समीर के बारे में टोंक शहर एवं थाना बनेठा क्षेत्र के ग्राम सूथरा में फरारी काटने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने के लिये टीम के सदस्यों ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के संबध में जानकारी जुटाई एवं बाद में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी लाड़पुरा निवासी समीर (23) को बनेठा थाना क्षेत्र से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

- जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था आरोपी
- आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था

अजमेर शहर में ढाई इंच बारिश हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में करीब 60 मीमी (ढाई इंच) वर्षा दर्ज हुई। बारिश शुरू होते ही नगर निगम अजमेर की तकनीकी शाखा एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी सहित कर्मचारियों द्वारा शहर का दौरा किया गया।

स्वास्थ्य अधिकारी पृथ्वीराज सिंह ने बताया कि नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर शनिवार को बारिश के बाद अधिकारियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और वर्तमान में वरूणसागर झोल पर जल की निकासी बांडी नदी की ओर जारी है एवं आनासागर झील का जल स्तर 11 फीट 9 इंच है। बांडी नदी अपने उच्चतम जल स्तर से 2.5 फिट नीचे चल रही है, क्योंकि आनासागर से वर्षा जल निकासी की जा रही है। वहीं सभी निचली बस्तियां जिसमें वर्षा जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई, वहां जल निकासी के लिए नगर निगम द्वारा मडपम्प लगावाए गए है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने बजरंगगढ चौराहा, सागर विहार क्षेत्र, बांडी नदी के आस-पास क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया एवं सामान्य स्थति बनाये रखने के निर्देश दिये।

इसके अतिरिक्त मलूसर बावडी में मंदिर की जर्जर अवस्था की छत लटकने की सूचन प्राप्त होते ही नगर निगम की टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर जर्जर भवन व मंदिर में से सभी किमती सामान निकलवाते हुए जर्जर हिस्से को तोड़कर मलबा इत्यादि हटवाया गया। चौरसियावास तालाब पर चल रही चादर पर आमजन की सुरक्षा हेतु दमकल को तैनात किया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने साढ़े तीन लाख के जेवर सहित नगदी लूटी

चोरों ने मकान में लड़की के जागने पर सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी दी

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। गांव सिंघाडा में रात्रि को अज्ञात चोर एक मकान में चोरी के लिए घुस गए। जब लड़की जागी तो बदमाश उसके सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी देकर घर में रखे सोने-चांदी के जेवर व तीन हजार रुपए की नकदी लूटकर ले गए। जेवर की कीमत साढे तीन लाख रुपए बताई गई है। घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक नीरज भारद्वाज व थाना प्रभारी बालकृष्ण मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य लिए हैं।

रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण फौजदार ने बताया कि गांव सिंघाडा निवासी भूरीसिंह पुत्र भोलाराम जाटव ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि उसका मेडिकल वाली गली के पास मकान है। रात्रि को उसके दो बच्चे सो रहे थे। रात्रि करीब 1 बजे 6-7 हथियारबंद बदमाश घर में अंदर घुस गए। जब उसकी लड़की की आंखें खुली तो दो बदमाशों ने लड़की के सिर पर देशी कट्टा रख दिया और जान से मारने की धमकी दी। दो-तीन बदमाश चोरी करने लग गए। बदमाशों ने अलमारी के लॉकर की चाबी मांगी। जब लड़की ने चाबी नहीं होना बताया तो बदमाशों ने अलमारी व बक्सा के लॉक को तोड़ दिया। बदमाश अलमारी में रखे सोने की नथ, टीका, पेन्डल व चांदी की कोधनी, पायजेब, साट, तोडिया, नाक की लौंग और 4 अंगूठी, 2 माला, 6 जोड़ी चुटकी और तीन हजार रुपए निकाल लिए। चोरी हुए जेवरात की कीमत साढे तीन लाख है। रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण ने बताया कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर एफएसएल ने साक्ष्य ले लिए हैं। घटना का खुलासा करने के लिए एक टीम गठित की गई है।

- घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक व थाना प्रभारी मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे

करंट से अधेड़ की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित बापू नगर के शिव मंदिर पार्क में पार्क की देखरेख करने वाले बाबूलाल मीणा (41) पिता राम नारायण मीणा जहाजपुर निवासी जो हाल में बीलिया क्षेत्र में रह रहा था जिसकी पार्क में घास काटते समय करंट लग गया। जिसे तुरंत महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय में स्थित मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया। वहीं परिजन व समाज के लोगों द्वारा शनिवार को उचित मुवावजे की मांग व एक संविदा नौकरी की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। काफी समय तक चले प्रदर्शन के बाद प्रताप नगर थाना एसएचओ व भीमगंज थाना प्रभारी द्वारा समझाइश के प्रयास के बाद उचित मुआवजा मिलने पर प्रदर्शन समाप्त किया गया।